युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार

नेहरू युवा केन्द्र संगठन बिहार

चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी समारोह

पूर्वी चम्पारण मोतिहारी

दिनांक 15–19 अप्रैल 2017

नेहरू युवा केन्द्र संगठन

World's Largest Youth Network

Together Towards Tomorrow...

चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी समारोह

पूर्वी चम्पारण (दिनांक 15–19 अप्रैल 2017)

पृष्ठभूमि:

गांधीजी के नेतृत्व में बिहार के चम्पारण जिले में सन् 1917 में एक सत्याग्रह हुआ, इसे चम्पारण सत्याग्रह के नाम से जाना जाता है। गांधीजी के नेतृत्व में भारत में किया गया यह पहला सत्याग्रह था। इस चम्पारण सत्याग्रह के शताब्दी वर्ष में नेहरू युवा केन्द्र संगठन, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार ने बिहार के पूर्वी चम्पारण, बापुधाम मोतिहारी में आयोजित होने वाले चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी समारोह में सहयोग एवं शिरकत करने का निर्णय लिया। जिसके सफल आयोजन की जिम्मेदारी नेहरू युवा केन्द्र संगठन, बिहार मे राज्य निदेशक श्री अनिक कुमार कौशिक को सौंपी गयी।

आयोजन पूर्व तैयारी:

बिहार के राज्य निदेशक श्री अनिल कुमार कौशिक के नेतृत्व में कार्यक्रम के आयोजन की तैयारी हेतु बिहार के सभी जिला युवा समन्वयकों एवं लेखालिपिकों की समिति गठित कर अलग–अलग कार्यो की जिम्मेदारियॉ दी गई। सारे पदाधिकारी एवं कर्मचारियों से निष्ठापूर्वक अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का निर्देश दिया गया। राज्य के सभी 38 जिलों के नेहरू युवा केन्द्रों से कार्यक्रम में भाग लेने हेतु प्रतिभागी युवाओं एवं सांस्कृतिक दलों की संख्या 1000 निर्धारित की गई। साथ हीं जिलों को टीम भेजने का निर्देश दिया गया।

आयोजन की पूर्वसंध्या :

दिनांक 14.04.2017 बिहार के विभिन्न जिलों से प्रतिभागियों का आना शुरू हो गया एवं 14. 04.2017 से ही युवाओं का निबंधन एवं आवास आवंटन का कार्य सम्बन्धित समिति के द्वारा प्रारम्भ कर दिया गया। संध्या पॉच बजे एल0एन.डी0 महाविद्यालय, मोतिहारी के सभाकक्ष में राज्य निदेशक श्री अनिल कुमार कौशिक ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए युवा समन्वयकों, लेखालिपिकों एवं प्रतिभागियों तथा मोतिहारी के जन प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक कर कार्यक्रम की सम्पूर्ण रूपरेखा तय की एवं विभिन्न संदर्भितों में संलग्न किए गए अधिकारियों , कर्मचारियों को 5 दिन तक पुरी लगन और निष्ठा से अपनी – अपनी कर्तव्यों के निर्वहन की

प्रेरणा के साथ ही प्रभारी युवा समन्वयक श्री अजीम अंसारी व लेखालिपिक श्रीमती रानू कुमारी को शिविर के सम्पूर्ण व्यवस्थाओं के लिए यथोचित निर्देश दिए समस्त प्रतिभागियों की उपस्थित रहकर 5 दिन तक के क्रिया कलापों एवं कार्यक्रमों में सहभागिता के लिए समयचक्र से अवगत कराया । राज्य निदेशक ने बताया कि प्रातः ध्वजारोहण और श्रमदान के साथ कार्यक्रम प्रारम्भ किया जाएगा एवं दिन में तिरंगा यात्रा, विभिन्न विषय विशेषज्ञों एवं गॉधी वादियों द्वारा सत्याग्रह आन्दोलन के विषय व्याख्यान होंगे एवं शाम को प्रतिदिन जिला हाई स्कूल प्रांगण में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे जिसमें लोकगीत, लोकनृत्य, देशभक्ति गीत व नुक्कड़ नाटक, बेटी बचाओं, बेटी पढ़ाओं एवं केन्द्र सरकार के विभिन्न योजनाओं पर केंद्रित नुक्कड नाटक व गीत प्रस्तुत किए जाएंगे । इस कार्यक्रम में फिल्मी गीत प्रस्तुत नहीं की जाएगी। राज्य निदेशक ने बताया कि समस्त कार्यक्रमों में केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री राधामोहन सिंह जी उपस्थित रहेंगे ।

इस अवसर पर राज्य निदेशक श्री कौशिक ने संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ0 भीम राव अम्बेडकर की जयन्ती के अवसर पर उनको याद करते हुए उपस्थित सभी अतिथियों, कर्मचारियों एवं युवाओं से अपील की कि आप सभी संविधान को पढ़े, समझें और अपने सामाजिक जीवन में संवैधानिक नियमों का पालन करें। समाज के हर वर्ग को जिसमें उपेक्षित वर्ग, अनुसूचित जाति, जनजाति भी शामिल हैं सबको सम्मान से जीने व उनके विकास के लिए मार्ग प्रशस्त करने की सलाह दी। श्री कौशिक ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में गॉधी जी की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण थी। उनकी इच्छा थी कि स्वतंत्र भारत में सामाजिक सद्भाव कायम हो, छुआछूत एवं ऊँच–नीच का भेदभाव न हो, बाबा साहेब द्वारा बनाये गए संविधान में गॉधी जी की आत्मा की आवाज को ही केन्द्र विन्दु माना गया है।

आयोजन का प्रथम दिवस 15.04.2017 :

निबंधन, परिचय, एवं उद्देश्यों पर चर्चा

दिनांक 15.04.2017 को प्रातः मोतिहारी एवं अन्य 37 जिलों के शेष निर्धारित संख्या के अनुसार प्रतिभागी पहुंचे जिनका निबंधन संबंधित समिति के सदस्यों ने बिना बिलम्ब किए हुए किया एवं आवास आवंटन कर दिया। साथ ही प्रतिभागियों को भोजन का कूपन, कीट्स फाइल, पेन, पैड व अन्य सामग्री मुहैया कराई गई। प्रतिभागियों के परिचय पश्चात सभी को

आवश्यक दिशा–निर्देश एवं आगामी 5 दिवसों की गतिविधियों की जानकारी दी गई। भोजन पश्चात सभी प्रतिभागियों को तिरंगा यात्रा रैली के लिए तैयार होने के लिए कहा गया तथा अनुशासन में रहकर नेहरू युवा केन्द्र की गरिमा को देखते हुए रैली में शामिल होने का सुझाव भी दिया गया।

तिरंगा यात्रा बापूधाम रेलवे स्टेशन से गोरखधाम तक

संध्या 3.00 बजे माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री भारत सरकार श्री राधामोहन सिंह, मोतिहारी जिले के माननीय विधायकों, समस्त बिहार से आए गॉधीयन, समस्त प्रतिभागी नेहरू युवा केन्द्र अपने– अपने जिलों के बैनरों के साथ राज्य निदेशक श्री अनिल कुमार कौशिक के नेतृत्व में बापूधाम मोतिहारी रेलवे स्टेशन पर पहुंचे। शहर के सम्मानित एवं गणमान्य आमंत्रित नागरिक भी यात्रा में भाग लेने के लिए वहॉ पहुॅचें । पूर्वी चम्पारण मोतिहारी में जिस तरह 100 वर्ष पहले 15 अप्रैल 1917 को महात्मा गॉधी 3 बजे ट्रेन से रेलवे स्टेशन आए थे उनके स्वागत में हजारों की संख्या में किसान खड़े थे ठीक उसी प्रकार गॉधी जी के रूप में प्रतीक स्वरूप गॉधी जी का ट्रेन से 03 बजे बापुधाम मोतिहारी रेलवे स्टेशन उतरने पर उनका भव्य स्वागत किया गया।

वहीं पर एक सभा का आयोजन भी किया गया, जिसमें माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार श्री राधामोहन सिंह ने गॉधी जी के प्रतीक रूप में आए गॉधी जी तथा गॉधी जी की पौत्री श्रीमती तारा गॉधी भट्टाचार्य जी के साथ साथ अन्य अतिथियों, उपस्थित युवाओं एवं जनसमूह का स्वागत किया तथा प्रतीक रूप में आए गॉधी जी तथा गॉधी जी की पौत्री श्रीमती तारा गॉधी भट्टाचार्य जी को सम्मानित किया गया। इसके उपरान्त ठीक चार बजे रेलवे स्टेशन बापुधाम मोतिहारी से गॉधी जी के प्रतीक गॉधी जी को खुली जीप में बैठाकर तिरंगा यात्रा रैली निकाली गई। विभिन्न जिलों

से आए नेहरू युवा केन्द्र के युवा अपने हाथों में तिरंगा थामें यात्रा में गॉधी जी को खुली जीप के पीछे चल रहे थें। यात्रा शहर के मुख्य मार्गों से होती हुई गोरखधाम जहॉ पर गॉधी जी को 1917 में आश्रय दिया गया था, पर जाकर रूकी व पुनः गॉधी जी के चम्पारण सत्याग्रह के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई और बताया गया कि आज से सौ साल पहले गॉधी जी 15 अप्रैल 1917 को यहीं वकील श्री गोरख प्रसाद के घर पर विश्राम किया था। इस बीच शहर का नजारा देखते बनता था। ऐसा लग रहा था मानो सचमूच आजादी के दिवाने देश को आजाद कराने हेतु तिरंगा और बैनर के साथ सड़क पर उतर आए हैं। पुरा शहर बैनरों व तिरंगों से पट गया। सम्पूर्ण मोतिहारी गॉधीमय और तिरंगामय हो गया। सभी युवाओं ने अनुशासन में रहकर यात्रा को सफल बनाया। इस यात्रा के बाद मोतिहारी में 100 वर्ष पूर्व की गॉधी जी की यात्रा की यादें ताजी हो गई। युवाओं की यात्रा लौटकर संध्या 6.00 बजे जिला हाई स्कूल के सांस्कृतिक सभागार में पहुंची।

चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी सामारोह का उद्घाटन

माननीय कृषि व किसान कल्याण मंत्री श्री राधामोहन सिंह ने दीप प्रज्वलित कर पॉच दिवसीय चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी समारोह का विधिवत शुभारम्भ किया। इस अवसर पर राज्य निदेशक, श्री अनिल कुमार कौशिक ने माननीय मंत्री जी, अतिथियों, उपस्थित युवाओं एवं जनसमुदाय का स्वागत किया। श्री कौशिक ने सत्याग्रह आन्दोलन के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि भारत माता को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त कराने के लिए कई आन्दोलन हुए जिसमें सत्याग्रह आंदोलन का विशेष महत्व है। सत्याग्रह का मूल अर्थ है सत्य के प्रति आग्रह। इसके पहले गॉधी जी ने दक्षिण अफ्रीका के दासं वाल में औपनिवेशिक सरकार द्वारा एशियाई लोगों के साथ भेदभाव के कानून को पारित किए जाने के खिलाफ 1906 में पहली बार सत्याग्रह का प्रयोग किया था। द0 अफ्रीका से वापस आकर स्वतंत्रता

आंदोलन का प्रथम आधार स्तम्भ बना चम्पारण सत्याग्रह आन्दोलन, बिहार राज्य के चम्पारण (मोतिहारी) को यह सौभाग्य मिला कि महात्मा गॉधी का इतना महत्वपूर्ण आंदोलन यहॉ हुआ।

चम्पारण में अंग्रजों ने नील बनाने के अनेकों कारखाने खोल रखे थे। ऐसे अंग्रेजों ने किसानों की जमीनें हथिया कर कोठियॉ बनवा ली थी । अंग्रेज यहॉ किसानों को नील की खेती करने को मजबूर करते थे । खेतों से आए नील को अंग्रेज कौड़ियों के दाम खरीदते थे । इस प्रथा को तीन कठिया प्रथा कहा जाता था क्योंकि एक बीघे में तीन कट्ठा जमीन में नील की खेती करना अनिवार्य थी। किसानों में अंग्रेजो के खिलाफ असंतोष फैल रहा था, क्योंकि अंग्रेज यहॉ की जनता का कई प्रकार का शोषण कर रहे थे। जिससे व्यथित होकर चम्पारण के एक किसान श्री राजकुमार शुक्ल ने कॉग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन 1916 में अनुरोध कर चम्पारण के किसानों पर अंग्रेजों द्वारा किए जा रहे जुल्म की व्यथा सुनाई। इसके बाद अधिवेशन में एक प्रस्ताव पारित किया गया जिसमें चम्पारण के किसानों के प्रति सहानुभूति प्रकट की गई। इन्हीं राजकुमार शुक्ल के साथ गॉधी जी 10 अप्रैल 1917 को पटना आए थे उसी रात मुजफ्फरपुर के लिए रवाना हो गए थे। पटना प्रवास पर गॉधी जी अपने मित्र मौलाना मजहरूल हक जो प्रतिष्ठित बैरिस्टर थे, से मिलकर नील की खेती से सम्बन्धित समस्या की जानकारी ली।

वीडीयो देखने के लिए नीचे क्लिक करें।

श्री कौशिक ने आगे कहा कि आज ही के दिन 15 अप्रैल 1917 को ही गॉधी जी पूर्वी चम्पारण मोतिहारी ट्रेन से आए थे और रेलवे स्टेशन पर हजारो किसानों ने उनका भव्य स्वागत किया था। चम्पारण के किसानों की समस्याओं को सुलझाने में बाबु राजेन्द्र

प्रसाद, आचार्य जे.बी.कृपलानी, बाबू बृजकिशोर प्रसाद तथा मौलाना मजहरूल हक का भरपूर समर्थन सहयोग मिला। चम्पारण सत्याग्रह भारत का प्रथम अहिंसात्मक सफल आन्दोलन था, महात्मा गॉधी को यही चम्पारण में मोहनदास करम चंद से ''महात्मा गॉधी'' बने।

इस अवसर पर माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री भारत सरकार श्री राधा मोहन सिंह ने कहा कि जिस प्रकार महात्मा गॉधी ने मोतिहारी में 100 वर्ष पूर्व सत्याग्रह आंदोलन प्रारम्भ कर अंग्रेजों को चुनौती दी थी उसी तरह आज युवाओं से अपेक्षा है कि संगठित होकर अन्याय व भ्रष्टाचार का विरोध करें। भारत सरकार की योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाने में मदद करें तथा गॉव–गॉव में युवाओं का संगठन तैयार करें। उन्होने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री जी के मंशानुसार भारत सरकार की योजनाओं को जन–जन तक यदि कोई पहुंचा सकता है तो वह नेहरू युवा केन्द्र के युवा हैं । भारत सरकार कृषि एवं कल्याण मंत्रालय हमेशा आपके साथ है। हम हर जगह नेहरू युवा केन्द्र के युवाओं का पूर्ण सहयोग करेंगे। प्रदेश के सभी जिलों से आए युवाओं का हम चम्पारण की पवित्र भूमि पर हार्दिक स्वागत करते हैं।

सांस्कृतिक संध्या 15–04–2017

इसके पश्चात् विभिन्न जिलों से आए नेहरू युवा केन्द्र के सांस्कृतिक दल एवं युवा कलाकारों की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में देशभक्ति, व गॉधी जी के जीवन चरित्र पर सांस्कृतिक प्रस्तुती दी गई। सांस्कृतिक संध्या में नेहरू युवा केन्द्र के युवाओं के साथ लगभग 10000 से ज्यादा स्थानीय दर्शक उपस्थित थें। सांस्कृतिक संध्या की प्रस्तुतियों को काफी सराहा गया। कार्यक्रम रात्रि 10 बजे समाप्त किया गया ।

आयोजन का द्वितीय दिवस 16.04.2017 :

प्रातः सत्र

दिनांक 16.04.2017 को प्रातः समस्त प्रतिभागी जिला हाई स्कूल, मोतिहारी में झंडारोहण किया साथ ही साथ योगा एवं श्रमदान जिला हाई स्कूल प्रांगन में तथा सांस्कृतिक मंच व सभागार में साफ सफाई किया।

तिरंगा यात्रा गॉधी संग्रहालय से चन्द्रहैया तक

10 बजे गॉधी संग्रहालय मोतिहारी में नेहरू युवा केन्द्र के सारे प्रतिभागी उपस्थित हुए जहॉ से माननीय मंत्री श्री राधामोहन जी के निर्देशन में उपस्थित माननीय विधायक गण एवं अन्य गॉधीयन के साथ एक तिरंगा यात्रा निकाली गई जो मुख्य मार्गों से होती हुई चन्द्रहैया गॉव तक गयी। जहॉ पर विशेष सभा का आयोजन किया गया था। ठीक एक सौ वर्ष पूर्व महात्मा गॉधी गॉव के एक किसान पर अंग्रेजों द्वारा किए गए अत्याचार की जानकारी लेने भीषण गर्मी में हाथी पर सवार होकर गए थे। उनके साथ सैकड़ों ग्रामीण तथा किसान भी गये थे। 100 वर्ष पूर्व भी गॉधी जी की यात्रा के समय गॉव–गॉव में ग्रामीणों ने उनका स्वागत किया था तथा अपनी व्यथा से उन्हें परिचित कराया था। चन्द्रहैया में उसी घटना की याद में विस्तार से चर्चा की गई तथा केन्द्रीय मंत्री श्री राधामोहन सिंह ने युवाओं को गॉधी जी के त्याग व सत्याग्रह से प्रेरणा लेने का आग्रह किया। इस अवसर पर भी राज्य निदेशक श्री अनिल कौशिक युवाओं के साथ उपस्थित थे।

बौद्विक सत्र

अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गॉधीवादी समाजसेवी डॉ0 एस.एन. सुब्बाराव (भाईजी) का कार्यक्रम भारत की संतान का आयोजन एवं कैसे नव भारत का निर्माण करने में युवा अपनी भूमिका निभा सकते हैं पर युवाओं के साथ विस्तृत चर्चा की गई। डॉ0 राव ने प्रतिभागी युवाओं के साथ राष्ट्रीय एकता एवं सामाजिक सद्भाव पर आधारित सामुदायिक गीत प्रस्तुत किए। डॉ0 राव ने एक भारत श्रेष्ठ भारत के लिए युवाओं को क्षेत्र, भाषा, धर्म, जाति, उॅच–नीच के भेदभाव से उपर उठकर कार्य करने की प्रेरणा दी उन्होंने नारे लगाये

"देश की दौलत नौजवान, देश की ताकत नौजवान, देश की इज्जत नौजवान", **"जोड़ो–जोड़ो भारत जोड़ो। "नौजवान आओ रे नौजवान गाओ रे" "ऐ वतन के नौजवान ए चमन के बागवान"**। इन गीतों के बाद हजारों की संख्या में मौजूद युवाओं ने देशभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता के लिए गगन भेदी नारे लगाए। कार्यक्रम में वरिष्ठ आइ.ए.एस. अधिकरी श्री अभय सिंह ने "एक भारत श्रेष्ठ भारत" के लिए युवाओं को कार्य करने के लिए मार्गदर्शन दिया। नेहरू युवा केन्द्र संगठन बिहार के उपनिदेशक श्री विष्णु शरण पांडेय ने समस्त प्रतिभागियों को नेहरू युवा केन्द्र के विभिन्न कार्यक्रमों एवं केन्द्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया।

सांस्कृतिक संध्या 16–04–2017

रात्रि में विभिन्न जिलों से आये सांस्कृतिक दल के कलाकारों ने अपनी कला से लोगों को मंत्र मुग्ध कर दिया। जिसकी काफी सराहना हुई। कार्यक्रम में देशभक्ति, देश प्रेम पर आधारित भोजपुरी, मैथिली एवं मगही भाषाओं में लोकगीत, लोकनृत्य, नाटक ,समूह गीत, एवं समूह नृत्य प्रस्तुत किए गए।

आयोजन का तृतीय दिवस 17.04.2017 :

प्रातः सत्र

दिनांक 17.04.2017 का प्रारंभ प्रातः झंडारोहण जिला स्कूल के प्रांगण में किया गया। उपस्थित युवाओं को झंडोत्तोलन के नियम एवं महत्त्व पर विस्तार से जानकारी दी गई। इसके बाद युवाओं को योगाभ्यास कराया गया। उपस्थित सभी प्रतिभागियों को पूरे दिन आयोजित होने वाले कार्यक्रम की जानकारी दी गई। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत जिला अस्पताल के प्रागंण में श्रमदान भी किया गया।

बौद्विक सत्र

दिनांक 17.4.2017 को युवाओं को समूहों में बॉट कर शैक्षणिक सह बौद्विक सत्र का आयोजन किया गया। समूहों को उपनिदेशक श्री विष्णु शरण पांडेय एवं जिला युवा समन्वकों की टीम ने युवाओं को नेहरू युवा केन्द्र के विभिन्न कार्यक्रमों, राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक योजना, युवा क्लब गठन एवं पंजीयन, नकदरहित भुगतान, भीम एप्प आदि के संबंध में विस्तार पूर्वक चर्चा की गई।

सांस्कृतिक संध्या 17–04–2017

संध्या 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक विभिन्न जिलों के सांस्कृतिक दल के कलाकारों द्वारा गॉधी जी के जीवन चरित्र के साथ राष्ट्र को स्वच्छ, सशक्त एवं समृद्ध बनाने से जुड़ा नुक्कड नाटक, गीत, देशभक्ति गीत आदि प्रस्तुत किया। जिसे स्थानीय एवं बाहर से आये दर्शकों ने काफी सराहा और भूरी–भूरी प्रशंसा की।

आयोजन का चतुर्थ दिवस 18.04.2017 :

प्रातः सत्र

दिनांक 18.04.2017 को प्रातः झंडारोहण, योगा एवं श्रमदान कर जिला हाई स्कूल परिसर व फलाई ओवर के नीचे की गंदगी की साफ–सफाई की गई ।

युवा सम्मेलन "एक राष्ट्र–श्रेष्ठ राष्ट्र"

सभी प्रतिभागी 11 बजे पूर्वाह्न में जिला स्कूल में उपस्थित हुए जहॉ एक राष्ट्र–श्रेष्ठ राष्ट्र विषय पर युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया था। सम्मेलन का उद्घाटन माननीय कौशल विकास व उद्यमिता राज्य मंत्री भारत सरकार श्री राजीव प्रताप रूढ़ी एवं माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री राधामोहन सिंह द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर जिले के सभी माननीय विधायक, राज्य निदेशक श्री अनिल कुमार कौशिक एवं नेहरू युवा केन्द्र के उपनिदेशक, जिला युवा समन्वयक एवं लेखापाल उपस्थित थे। स्वागत भाषण में राज्य निदेशक श्री कौशिक ने सत्याग्रह शताब्दी समारोह कार्यक्रम की पूर्ण रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने मंत्री द्वय व विधायकों को शॉल, श्रीफल व पुष्पगुच्छ से स्वागत किया।

इसके बाद सम्बोधन में माननीय श्री राधामोहन सिंह, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने युवाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि दुनियॉ में हर बदलाव के पीछे युवा शक्ति की भूमिका रही है। आज भारत में प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में व्यापक बदलाव हो रहा है। महात्मा गॉधी के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का सपना पूरा करने में प्रधानमंत्री जी लगे हुए हैं। आप सबको योजनाओं से जुड़कर रोजगार के अवसर तलाशना है। दुनियॉ की तुलना में भारत में युवाओं की संख्या सबसे अधिक है फिर भी गरीबी व बेरोजगारी पीछा नहीं छोड़ रही। केन्द्र सरकार कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों में से 70 प्रतिशत युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करायेगी। क्षमता के अनुसार देश व देश के बाहर भी उन्हें भेजा जा सकता है। जिले में प्रतिवर्ष 1500 युवाओं को विभिन्न ट्रेडों के अंतर्गत प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रधानमंत्री जी का एक ही संदेश है **"एक भारत श्रेष्ठ भारत"** । युवा अगर आत्मनिर्भर और स्कील्ड होंगे तभी प्रधानमंत्री जी का सपना पुरा होगा। आगे उन्होने

नेहरू युवा केन्द्र से अपील किया कि युवाओं को हुनरमंद बनाकर स्वावलम्बी बनाने हेतु प्रेरित करें ताकि युवा सीधे रोजगार से जुड़ सके।

युवाओं को सम्बोधित करते हुए कौशल विकास व उद्यमिता राज्य मंत्री भारत सरकार माननीय श्री राजीव प्रताप रूढ़ी ने कहा कि उनका मंत्रालय मात्र ढ़ाई वर्ष पुराना है। युवाओं के कौशल का विकास प्रधानमंत्री जी का सपना है, जिसे सतह पर साकार किया जा रहा है। देश का कोई युवा बेरोजगार नहीं रहे इसकी व्यवस्था की जा रही है। नेहरू युवा केन्द्र की प्रशंसा करते हुए उन्होने कहा कि मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश के युवाओं में आत्म विश्वास और नैतिक बल बढ़ा है तथा भारत सरकार के विभिन्न योजनाओं

को क्रियान्वित करने में नेहरू युवा केन्द्र संगठन के युवा अग्रणी भूमिका का निर्वाह कर रहे हैं। साथ ही जनधन खाता खोलवाने से कैशलेस भुगतान प्रक्रिया जैसी योजनाओं के विषय में जागरूकता लाने की दिशा में भी सराहनीय कार्य कर रहे हैं। श्री रूड़ी ने नेहरू युवा केन्द्र संगठन के युवाओं की हौसलाअफजाई की।

<u>सांस्कृतिक संध्या 18–04–2017</u>

दिनांक 18.04.2017 को विशेष सांस्कृतिक संध्या का आयोजन माननीय कृषि एवं किसान

कल्याण मंत्री श्री राधामोहन सिंह की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी सामारोह समिति के अध्यक्ष श्री चंद्रभूषण पांडेय जी ने युवाओं एवं कलाकारों को सम्बोधित भी किया। इसके बाद विभिन्न जिला से आए युवा कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर अमिट छाप छोड़ी।

आयोजन का पंचम दिवस 19.04.2017 :

प्रातः सत्र

दिनांक 19.04.2017 को प्रातः जिला स्कूल के प्रांगण में झंडारोहण किया गया। इसके बाद युवाओं ने योगाभ्यास किया। जिला स्कूल एवं एन.एन.डी. महाविद्यालय प्रागंण में श्रमदान किया गया।

बौद्विक एवं समापन सत्र

सभी प्रतिभागी प्रातः 10 बजे से जिला स्कुल पंडाल में आ गए जहॉ पर भारत सरकार के उर्वरक रसायन व संसदीय कार्य मंत्री माननीय श्री अनन्त कुमार जी, माननीय सांसद श्री नित्यानन्द राय जी, माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री राधामोहन सिंह, पूर्व उपमुख्यमंत्री बिहार श्री सुशील कुमार मोदी जी, ने किसान कुम्भ में आए किसानों व नेहरू युवा केन्द्र के युवाओं का सम्बोधित किया। माननीय वक्ताओं ने युवाओं को राष्ट्र की मुख्य धारा में जुड़ने का आवाह्न कर राष्ट्र को समृद्ध एवं श्रेष्ठ भारत बनाने में अपना बहुमूल्य योगदान देने की अपील की गई। समापन कार्यक्रम संध्या 4 बजे सम्पन्न हुआ । कार्यक्रम में नेहरू युवा केन्द्र के सैकड़ों प्रतिभागियों ने पूर्ण अनुशासन में रहकर निष्ठा और ईमान्दारी के साथ कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना अहम योगदान दिया। राष्ट्र भक्ति का जोश जो युवाओं में दिखा, वास्तव में काविले तारीफ था।

इस सम्पूर्ण कार्यक्रम को सफल बनाने में नेहरू युवा केन्द्र के निम्नलिखित अधिकारीयों एवं कर्मचारीयों का अहम योगदान रहा।

1. श्री अनिल कुमार कौशिक, राज्य निदेशक बिहार
2. श्री विष्णु शरण पांडेय, उपनिदेशक बिहार
3. श्री नरेन्द्र राय, जिला युवा समन्वयक, जहानाबाद
4. श्री के.के.सिंह, जिला युवा समन्वयक, औरंगाबाद
5. श्री रविन्द्र कुमार रवि, जिला युवा समन्वयक, वैशाली
6. श्री कपिलदेव राम शास्त्री, जिला युवा समन्वयक, बक्सर
7. श्री चित्तरंजन मंडल, जिला युवा समन्वयक, नावादा
8. श्री परिमल कुमार झा, यू.एन.वी. जिला युवा समन्वयक, सीतामढ़ी
9. श्री मो0 अजिम अंसारी, जिला युवा समन्वयक, मुजफ्फरपुर सह प्रभारी मोतिहारी
10. श्री अशोक कुमार सिंह, लेखापाल, छपरा सारण
11. श्री शिवजी राम, लेखापाल, राज्य कार्यालय, पटना
12. श्री जुल्फिकार अली, लेखापाल, कटिहार
13. श्री आर.एन. पांडेय, लेखापाल, मुजफ्फरपुर
14. श्री केदारनाथ सिंह, लेखापाल, गोपालगंज
15. श्रीमति रानू कुमारी, लेखापाल, मोतिहारी
16. मो0 शाहजहॉ अंसारी, लेखापाल, किशनगंज
17. श्री उमेश कुमार, लेखापाल, समस्तीपुर
18. श्री ध्रुव कुमार सिंह, लेखापाल, मोतिहारी
19. श्री ईश्वरदेव यादव, लेखापाल, सीवान

कार्यक्रम विवरणिका

दिनांक	समय	कार्यक्रम
15.04.2017	06:00 से 08:30	पंजीकरण रजिस्ट्रेशन
	08:30 से 09:30	नास्ता एवं चाय
	09:30 से 01:00	प्रतिभागीयों का परिचय एवं उद्देश्य पर चर्चा, अवधारणा एवं अपेक्षाएँ
	01:00 से 03:00	भोजन अवकाश
	03:00 से 05:00	तिरंगा यात्रा कार्यक्रम
	05:00 से 06:00	उद्घाटन समारोह माननीय केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री भारत सरकार श्री राधामोहन सिंह द्वारा
	06.00 से 08.00	सांस्कृतिक कार्यक्रम
	08.00 से 10.00	रात्रि भोजन एवं विश्राम
16.04.2017	06:00 से 07:15	सर्वधर्म प्रार्थना एवं योग कार्यक्रम
	07:15 से 07:30	झंडोत्तोलन
	07:30 से 08:00	श्रमदान कार्यक्रम जिला स्कूल मैदान, मोतिहारी में
	08:30 से 09:30	नास्ता
	09:30 से 11:00	तिरंगा यात्रा महात्मा गॉधी स्मारक से चन्द्रहिया तक
	11:00 से 01:00	शैक्षणिक सत्र – 2
	01:00 से 03:00	भोजन अवकाश
	03:00 से 05:00	शैक्षणिक सत्र – 3
	05:00 से 06:00	**श्री सुब्बाराव जी का युवा व राष्ट्रीय एकता पर उद्बोधन**
	06.00 से 08.00	सांस्कृतिक कार्यक्रम – **भारत की संतान**
	08.00 से 10.00	रात्रि भोजन एवं विश्राम
17.04.2017	06:00 से 07:15	सर्वधर्म प्रार्थना एवं योग कार्यक्रम
	07:15 से 07:30	झंडोत्तोलन
	07:30 से 08:00	श्रमदान कार्यक्रम सदर अस्पताल परिसर में
	08:30 से 09:30	नास्ता
	09:30 से 11:00	शैक्षणिक सत्र – 1
	11:00 से 01:00	शैक्षणिक सत्र – 2
	01:00 से 03:00	भोजन अवकाश
	03:00 से 05:00	शैक्षणिक सत्र – 3
	06.00 से 08.00	सांस्कृतिक कार्यक्रम
	08.00 से 10.00	रात्रि भोजन एवं विश्राम
18.04.2017	06:00 से 07:15	सर्वधर्म प्रार्थना एवं योग कार्यक्रम
	07:15 से 07:30	झंडोत्तोलन
	07:30 से 08:00	श्रमदान कार्यक्रम जिला स्कूल के बाहर ओभर ब्रिज के नीचे
	08:30 से 09:30	नास्ता
	09:30 से 11:00	शैक्षणिक सत्र – 1
	11:00 से 02:00	**युवा सम्मेलन** माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री भारत सरकार श्री राधामोहन सिंह एवं कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री श्री राजीव प्रताप रूड़ी की गरिमामयी उपस्थिति में।
	02:00 से 03:00	भोजन अवकाश
	03:00 से 05:00	शैक्षणिक सत्र – 3
	06.00 से 08.00	सांस्कृतिक कार्यक्रम
	08.00 से 10.00	रात्रि भोजन एवं विश्राम
19.04.2017	06:00 से 07:15	सर्वधर्म प्रार्थना एवं योग कार्यक्रम
	07:15 से 07:30	झंडोत्तोलन
	07:30 से 08:00	श्रमदान कार्यक्रम मीना बाजार से अस्पताल तक सड़क
	08:30 से 09:30	नास्ता
	09:30 से 11:00	शैक्षणिक सत्र – 1
	11:00 से 02:30	**समापन समारोह माननीय अतिथियों की उपस्थिति में**
	02:30 से 03:30	भोजन अवकाश एवं प्रस्थान

Report Prepared by: Parimal Kumar Jha (UNV DYC, Sitamarhi)